Objective Question

51 18001

विद्यापतिक आयु अवसानक तिथि थिक :

1. चैत्र कृष्ण एकादशी
2. भाद्र कृष्ण अष्टमी
3. कार्तिक धवल त्रयोदशी
4. फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा

विद्यापतिक आयु अवसानक तिथि थिक :

1. चैत्र कृष्ण एकादशी
2. भाद्र कृष्ण अष्टमी
3. कार्तिक धवल त्रयोदशी
4. फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

52 18002

'शिखरिणी' छन्दमे गणक विन्यासक क्रम अछि :

1. य - म - न - स - भ - ल - ग.
2. म - भ - न - त - त - ग - ग.
3. त - भ - ज - ज - ग - ग.
4. स - स - स - स

'शिखरिणी' छन्दमे गणक विन्यासक क्रम अछि :

1. य - म - न - स - भ - ल - ग.
2. म - भ - न - त - त - ग - ग.
3. त - भ - ज - ज - ग - ग.
4. स - स - स - स

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

53	18003	'मिथिला - भाषा रामायण' क तृतीय संस्करणक सम्पादक छलाह : 1. चित्रधर मिश्र 2. बलदेव मिश्र 3. नरेन्द्रनाथ दास 4. रमानाथ झा 'मिथिला - भाषा रामायण' क तृतीय संस्करणक सम्पादक छलाह : 1. चित्रधर मिश्र 2. बलदेव मिश्र 3. नरेन्द्रनाथ दास 4. रमानाथ झा A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
54	18004	विद्यापतिक 'पुरुष - परीक्षा' क रमानाथ झा द्वारा सम्पादित संस्करण प्रकाशित भेल : 1. 1957 ई.मे 2. 1958 ई.मे 3. 1959 ई.मे 4. 1960 ई.मे विद्यापतिक 'पुरुष - परीक्षा' क रमानाथ झा द्वारा सम्पादित संस्करण प्रकाशित भेल : 1. 1957 ई.मे 2. 1958 ई.मे 3. 1959 ई.मे 4. 1960 ई.मे A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
55	18005	

शिवनन्दन ठाकुरक पोथी 'महाकवि विद्यापति' मे प्रकाशित विद्यापति विशुद्ध पदावली मूलतः प्राप्त भेल छलनि :

1. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्मकेँ'
2. विष्णुकान्त झाकेँ
3. विष्णुलाल झाकेँ
4. रघुनन्दन दासकेँ

शिवनन्दन ठाकुरक पोथी 'महाकवि विद्यापति' मे प्रकाशित विद्यापति विशुद्ध पदावली मूलतः प्राप्त भेल छलनि :

1. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्मकेँ'
2. विष्णुकान्त झाकेँ
3. विष्णुलाल झाकेँ
4. रघुनन्दन दासकेँ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

56 18006

"ससन परस खसु अम्बर रे देखल धनि देह।
नव जलधर तर संचरु रे जनि बिजुरी रेह।।"
मे अलङ्कार अछि:

1. रूपक
2. उपमा
3. उत्प्रेक्षा
4. भ्रान्तिमान

"ससन परस खसु अम्बर रे देखल धनि देह।
नव जलधर तर संचरु रे जनि बिजुरी रेह।।"
मे अलङ्कार अछि:

1. रूपक
2. उपमा
3. उत्प्रेक्षा
4. भ्रान्तिमान

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

57 18007

'अभिधाक' भेद थिक :

1. सारोपा
2. यौगिक
3. प्रहसन
4. प्रकरण

'अभिधाक' भेद थिक :

1. सारोपा
2. यौगिक
3. प्रहसन
4. प्रकरण

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

58 18008

'होएत शम्भु-सन ओ उदार
विद्याक प्रजापति सम अगार' - कहल गेल अछि :

1. रैभ्यक हेतु
2. एकवीरक हेतु
3. एकावलीक हेतु
4. तुर्वसुक हेतु

'होएत शम्भु-सन ओ उदार
विद्याक प्रजापति सम अगार' - कहल गेल अछि :

1. रैभ्यक हेतु
2. एकवीरक हेतु
3. एकावलीक हेतु
4. तुर्वसुक हेतु

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4: 4

4

Objective Question

59 18009

'कृष्णचरित' मे सर्गक संख्या अछि :

1. 9
2. 10
3. 11
4. 12

'कृष्णचरित' मे सर्गक संख्या अछि :

1. 9
2. 10
3. 11
4. 12

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

60 18010

पाञ्चजन्य शंखक वर्णन अछि :

1. 'उत्तरा' मे
2. 'पतन' मे
3. 'एकावली - परिणय' मे
4. 'कृष्णचरित' मे

पाञ्चजन्य शंखक वर्णन अछि :

1. 'उत्तरा' मे
2. 'पतन' मे
3. 'एकावली - परिणय' मे
4. 'कृष्णचरित' मे

A1: 1

1

A2: 2

2

A3: 3

3

A4: 4

4

Objective Question

61 18011

पुष्कर काण्ड अछि :

1. 'मिथिलाभाषा रामायण' मे
2. 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण' मे
3. 'राम सुयश सागर' मे
4. 'सीतायन' मे

पुष्कर काण्ड अछि :

1. 'मिथिलाभाषा रामायण' मे
2. 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण' मे
3. 'राम सुयश सागर' मे
4. 'सीतायन' मे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

62 18012

"प्रिया-पहुक मन युवति चोराओल अवसर जानी"- ई पंक्ति थिक :

1. 'एकावली-परिणय'क
2. 'कृष्णचरित'क
3. 'सुभद्रा हरण'क
4. 'चाणक्य'क

"प्रिया-पहुक मन युवति चोराओल अवसर जानी"- ई पंक्ति थिक :

1. 'एकावली-परिणय'क
2. 'कृष्णचरित'क
3. 'सुभद्रा हरण'क
4. 'चाणक्य'क

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

63 18013

निम्नमे सिद्ध साहित्यकार छलाह:

1. ज्योतिरीश्वर
2. सरहपाद
3. अमियकर
4. चतुर्भुज

निम्नमे सिद्ध साहित्यकार छलाह:

1. ज्योतिरीश्वर
2. सरहपाद
3. अमियकर
4. चतुर्भुज

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

64 18014

'वर्णरत्नाकर' मे नायिकाक, विस्तृत वर्णन अछि :

1. 'प्रथम कल्लोल'मे
2. 'द्वितीय कल्लोल'मे
3. 'तृतीय कल्लोल'मे
4. 'चतुर्थ कल्लोल'मे

'वर्णरत्नाकर' मे नायिकाक, विस्तृत वर्णन अछि :

1. 'प्रथम कल्लोल'मे
2. 'द्वितीय कल्लोल'मे
3. 'तृतीय कल्लोल'मे
4. 'चतुर्थ कल्लोल'मे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

65	18015	'रागतरंगिणी' मे विद्यापतिक पद अछि : 1. 31 टा 2. 41 टा 3. 51 टा 4. 61 टा 'रागतरंगिणी' मे विद्यापतिक पद अछि : 1. 31 टा 2. 41 टा 3. 51 टा 4. 61 टा A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
66	18016	'सारस्वत सरमे हे मराल' पोथी केन्द्रित अछि: 1. 'यात्री' पर 2. रमानाथ झा पर 3. सुभद्र झा पर 4. सुरेन्द्र झा 'सुमन' पर 'सारस्वत सरमे हे मराल' पोथी केन्द्रित अछि: 1. 'यात्री' पर 2. रमानाथ झा पर 3. सुभद्र झा पर 4. सुरेन्द्र झा 'सुमन' पर A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
67	18017	

'मुक्तावली' क रचनाकार छथि :

1. तन्त्रनाथ झा
2. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
3. सुरेन्द्र झा 'सुमन'
4. काञ्चीनाथ झा 'किरण'

'मुक्तावली' क रचनाकार छथि :

1. तन्त्रनाथ झा
2. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
3. सुरेन्द्र झा 'सुमन'
4. काञ्चीनाथ झा 'किरण'

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

68 18018

सुभद्र झा 'द सांग्स ऑफ विद्यापति' वाराणसीसँ प्रकाशित भेल :

1. 1951 ई.मे
2. 1952 ई.मे
3. 1953 ई.मे
4. 1954 ई.मे

सुभद्र झा 'द सांग्स ऑफ विद्यापति' वाराणसीसँ प्रकाशित भेल :

1. 1951 ई.मे
2. 1952 ई.मे
3. 1953 ई.मे
4. 1954 ई.मे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

69 18019

मैथिली पत्रिका दू नामें प्रकाशित भेल अछि :

1. 'आइ' - 'काल्हि'- 'गामघर'
2. 'खोज-खबरि' - 'घर-बाहर'
3. 'आरम्भ'-'घर-बाहर'
4. 'समय'साल' - 'खोज-खबरि'

मैथिली पत्रिका दू नामें प्रकाशित भेल अछि :

1. 'आइ' - 'काल्हि'- 'गामघर'
2. 'खोज-खबरि' - 'घर-बाहर'
3. 'आरम्भ'-'घर-बाहर'
4. 'समय'साल' - 'खोज-खबरि'

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

70 18020

'लाली गुरांस ' लिखने छथि :

1. उषाकिरण खान
2. विभारानी
3. लिली रे
4. नीरजारेणु

'लाली गुरांस ' लिखने छथि :

1. उषाकिरण खान
2. विभारानी
3. लिली रे
4. नीरजारेणु

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

71 18021

'कुमार' क लेखक छथि :

1. सुरेन्द्र झा 'सुमन'
2. हरिमोहन झा
3. रमानन्द रेणु
4. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

'कुमार' क लेखक छथि :

1. सुरेन्द्र झा 'सुमन'
2. हरिमोहन झा
3. रमानन्द रेणु
4. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

72 18022

'नागभूमि' रचना छनि :

1. मनमोहन झा' क
2. राजमोहन झा' क
3. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' क
4. वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' क

'नागभूमि' रचना छनि :

1. मनमोहन झा' क
2. राजमोहन झा' क
3. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' क
4. वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' क

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

73 18023

रमानन्द रेणुक कृति थिकनिः

1. दुर्वाक्षत
2. दूधफूल
3. बनमानुस
4. भलमानुस

रमानन्द रेणुक कृति थिकनिः

1. दुर्वाक्षत
2. दूधफूल
3. बनमानुस
4. भलमानुस

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

74 18024

बोलीसँ भाषा बनबाक कारण अछि :

1. वैयक्तिक
2. भौगोलिक
3. सांस्कृतिक
4. सामाजिक

बोलीसँ भाषा बनबाक कारण अछि :

1. वैयक्तिक
2. भौगोलिक
3. सांस्कृतिक
4. सामाजिक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

75 18025

'अं ' आ 'अ:' अछि :

1. व्यंजन
2. स्वर
3. अयोगवाह
4. संयुक्ताक्षर

'अं ' आ 'अ:' अछि :

1. व्यंजन
2. स्वर
3. अयोगवाह
4. संयुक्ताक्षर

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

76 18026

वर्ण विपर्यर्यसँ बनल शब्द अछि :

1. बाघ
2. सिहं
3. हाथी
4. ऊँट

वर्ण विपर्यर्यसँ बनल शब्द अछि :

1. बाघ
2. सिहं
3. हाथी
4. ऊँट

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

77 18027

'नागरी' लिपिक उत्पत्ति भेल अछि:

1. कैथी
2. खरोष्ठी
3. पैशाची
4. ब्राह्मी

'नागरी' लिपिक उत्पत्ति भेल अछि:

1. कैथी
2. खरोष्ठी
3. पैशाची
4. ब्राह्मी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

78 18028

'संकलन' मे संकलित सुभद्र झा क निबन्ध अछि :

1. राजनीति ओ समाजनीति
2. शरदक सन्देश
3. आदान-प्रदान
4. साहित्य ककरा कही?

'संकलन' मे संकलित सुभद्र झा क निबन्ध अछि :

1. राजनीति ओ समाजनीति
2. शरदक सन्देश
3. आदान-प्रदान
4. साहित्य ककरा कही?

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

79 18029

'नाटकक लेल' पोथीक रचयिता छथि:

1. अरविन्द अक्कू
2. उदयनारायण सिंह 'नचिकेता'
3. महेन्द्र मलंगिया
4. लल्लन प्रसाद ठाकुर

'नाटकक लेल' पोथीक रचयिता छथि:

1. अरविन्द अक्कू
2. उदयनारायण सिंह 'नचिकेता'
3. महेन्द्र मलंगिया
4. लल्लन प्रसाद ठाकुर

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

80 18030

'निबन्धमाला' मे कुल निबन्ध अछि :

1. तीन
2. चारि
3. पाँच
4. छओ

'निबन्धमाला' मे कुल निबन्ध अछि :

1. तीन
2. चारि
3. पाँच
4. छओ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

81 18031

'संकलन' क सम्पादक मण्डल मे कुल सम्पादक छथि :

1. दू
2. तीन
3. चारि
4. पाँच

'संकलन' क सम्पादक मण्डल मे कुल सम्पादक छथि :

1. दू
2. तीन
3. चारि
4. पाँच

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

82 18032

'हास्यरसक मूल कारण : एक विवेचन' निबंध अछि :

1. जयदेव मिश्रक
2. हरिमोहन झाक
3. काञ्चीनाथ झा 'किरण'क
4. रामदेव झाक

'हास्यरसक मूल कारण : एक विवेचन' निबंध अछि :

1. जयदेव मिश्रक
2. हरिमोहन झाक
3. काञ्चीनाथ झा 'किरण'क
4. रामदेव झाक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

83 18033

महेन्द्र मलंगियाक नाटक अछि :

1. काठक लोक
2. आगि धधकि रहल अछि
3. बड़का साहेब
4. एक छल राजा

महेन्द्र मलंगियाक नाटक अछि :

1. काठक लोक
2. आगि धधकि रहल अछि
3. बड़का साहेब
4. एक छल राजा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

84 18034

'रामविजय'क नाटककार छथि :

1. गोपालदेव
2. शंकरदेव
3. ईशनाथ झा
4. सुधांशु 'शेखर' चौधरी

'रामविजय'क नाटककार छथि :

1. गोपालदेव
2. शंकरदेव
3. ईशनाथ झा
4. सुधांशु 'शेखर' चौधरी

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

85 18035

		जगत्प्रकाशमल्लक नाटक थिक: 1. गौरी - विवाह 2. उषाहरण 3. कुंजविहार 4. मुदित 'कुवलयासु' जगत्प्रकाशमल्लक नाटक थिक: 1. गौरी - विवाह 2. उषाहरण 3. कुंजविहार 4. मुदित 'कुवलयासु' A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
86	18036	'अंकिया' नाट' क प्रथम नाटककार छथि : 1. माधवदेव 2. रामचरण ठाकुर 3. गोपालदेव 4. शंकरदेव 'अंकिया' नाट' क प्रथम नाटककार छथि : 1. माधवदेव 2. रामचरण ठाकुर 3. गोपालदेव 4. शंकरदेव A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
87	18037	

आरसी प्रसाद सिंहक रचना छनि :

1. टटका जिलेबी
2. माटिक दीप
3. कतेक दिनक बाद
4. भोरुकबा

आरसी प्रसाद सिंहक रचना छनि :

1. टटका जिलेबी
2. माटिक दीप
3. कतेक दिनक बाद
4. भोरुकबा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

88 18038

भीमनाथ झाक कविता - संग्रह थिक :

1. अपक्ष
2. भावाञ्जलि
3. नाचू हे पृथ्वी
4. हम स्तवन नहि लिखब

भीमनाथ झाक कविता - संग्रह थिक :

1. अपक्ष
2. भावाञ्जलि
3. नाचू हे पृथ्वी
4. हम स्तवन नहि लिखब

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

89 18039

'इतिश्री'क रचनाकार छथि :

1. बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर'
2. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
3. बबुआजी झा 'अज्ञात'
4. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

'इतिश्री'क रचनाकार छथि :

1. बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर'
2. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
3. बबुआजी झा 'अज्ञात'
4. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

90 18040

'नाचू हे पृथ्वी' क कवि छथि :

1. धूमकेतु
2. सोमदेव
3. जीवकान्त
4. धीरेन्द्र

'नाचू हे पृथ्वी' क कवि छथि :

1. धूमकेतु
2. सोमदेव
3. जीवकान्त
4. धीरेन्द्र

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

91 18041

निम्नांकितमे विद्यापतिक पुस्तक छनि :

A. विद्यापति
B. महाकवि विद्यापति
C. विभागसागर
D. पंचशायक
E. गोरक्ष विजय

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A एवं D
2. B एवं E
3. C एवं E
4. D एवं E

निम्नांकितमे विद्यापतिक पुस्तक छनि :

A. विद्यापति
B. महाकवि विद्यापति
C. विभागसागर
D. पंचशायक
E. गोरक्ष विजय

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A एवं D
2. B एवं E
3. C एवं E
4. D एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

92 18042

निम्नांकितमे चन्दा झाक पोथी नहि छनि :

A. मिथिला - भाषा रामायण
B. गीत सप्तशती
C. चन्द्र रचनावली
D. चन्दा झा : व्यक्तित्व ओ कृतित्व
E. चन्द्र पद्यावली

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. C एवं E
3. B एवं C
4. A एवं D

निम्नांकितमे चन्दा झाक पोथी नहि छनि :

A. मिथिला - भाषा रामायण
B. गीत सप्तशती
C. चन्द्र रचनावली
D. चन्दा झा : व्यक्तित्व ओ कृतित्व
E. चन्द्र पद्यावली

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. C एवं E
3. B एवं C
4. A एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

93 18043

चन्दा झाक रचना अछि :

A. मिथिला माहात्म्य - गीतसुधा
B. गीत सप्तशती - गीतसुधा
C. वाताह्वान - जानकी रामायण
D. महेसबानी संग्रह -वाताह्वान

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. C एवं D
3. B एवं D
4. A एवं B

चन्दा झाक रचना अछि :

A. मिथिला माहात्म्य - गीतसुधा
B. गीत सप्तशती - गीतसुधा
C. वाताह्वान - जानकी रामायण
D. महेसबानी संग्रह -वाताह्वान

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. C एवं D
3. B एवं D
4. A एवं B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

94 18044

रघुनन्दन दास लिखने छथि :

A. सावित्री सत्यवान - सुभद्राहरण
B. सुभद्राहरण - मिथिला नाटक
C. वीर बालक - सावित्री
D. रमेश्वर चरित मिथिला रामायण - जानकी रामायण

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. A एवं B
2. B एवं C
3. A एवं C
4. A एवं D

रघुनन्दन दास लिखने छथि :

A. सावित्री सत्यवान - सुभद्राहरण
B. सुभद्राहरण - मिथिला नाटक
C. वीर बालक - सावित्री
D. रमेश्वर चरित मिथिला रामायण - जानकी रामायण

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. A एवं B
2. B एवं C
3. A एवं C
4. A एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

95 18045

लालदास विरचित अछि:

A. मिथिला - भाषा रामायण - सीतायन
B. जानकी रामायण - रमेश्वर चरित मिथिला रामायण
C. मिथिला माहात्म्य - स्त्रीधर्म शिक्षा
D. हरतालिका व्रत कथा - वाताह्वान

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. A एवं B
3. B एवं C
4. C एवं D

लालदास विरचित अछि:

A. मिथिला - भाषा रामायण - सीतायन
B. जानकी रामायण - रमेश्वर चरित मिथिला रामायण
C. मिथिला माहात्म्य - स्त्रीधर्म शिक्षा
D. हरतालिका व्रत कथा - वाताह्वान

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. A एवं B
3. B एवं C
4. C एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

96 18046 मैथिली साहित्यक इतिहास लिखने छथि :

1. जयकांत मिश्र
2. देवकान्त मिश्र
3. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
4. दिनेश्वर झा 'दीन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. B एवं D
3. A एवं D
4. C एवं D

मैथिली साहित्यक इतिहास लिखने छथि :

1. जयकांत मिश्र
2. देवकान्त मिश्र
3. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
4. दिनेश्वर झा 'दीन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. B एवं D
3. A एवं D
4. C एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

97 18047

'एकावली - परिणय' मे वर्णन अछि :

A. संदीपनिक
B. तुर्वसुक
C. अगस्त्यक
D. कालकेतुक
E. इन्द्रक

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं C
3. C एवं E
4. B एवं D

'एकावली - परिणय' मे वर्णन अछि :

A. संदीपनिक
B. तुर्वसुक
C. अगस्त्यक
D. कालकेतुक
E. इन्द्रक

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं C
3. C एवं E
4. B एवं D

			A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question			
98	18048	"क्यो कहइछ एकक मुइने नहि खेद। यमक पड़किने सगर नगर निर्वेद। " - ई उक्ति लेल गेल अछि : A. महाकाव्यसँ B. खण्डकाव्यसँ C. 'एकलव्य' सँ D. 'उत्तरा' सँ E. 'चाणक्य' सँ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं D 2. B एवं E 3. B एवं D 4. A एवं C	"क्यो कहइछ एकक मुइने नहि खेद। यमक पड़किने सगर नगर निर्वेद। " - ई उक्ति लेल गेल अछि : A. महाकाव्यसँ B. खण्डकाव्यसँ C. 'एकलव्य' सँ D. 'उत्तरा' सँ E. 'चाणक्य' सँ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं D 2. B एवं E 3. B एवं D 4. A एवं C A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4

4

Objective Question

99 18049

तुर्वसुक कथा वर्णित अछि :

A. 'एकावली - परिणय'मे
B. 'कृष्णचरित'मे
C. 'नोर'मे
D. 'महाकाव्य'मे
E. 'खण्डकाव्य'मे

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. A एवं E
3. B एवं D
4. C एवं E

तुर्वसुक कथा वर्णित अछि :

A. 'एकावली - परिणय'मे
B. 'कृष्णचरित'मे
C. 'नोर'मे
D. 'महाकाव्य'मे
E. 'खण्डकाव्य'मे

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. A एवं E
3. B एवं D
4. C एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

100 18050

व्यभिचारी भाव थिक :

A. सारोपा
B. निर्वेद
C. रुढ़िमूला
D. मरण
E. यौगिक

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं E
2. A एवं D
3. B एवं D
4. C एवं E

व्यभिचारी भाव थिक :

A. सारोपा
B. निर्वेद
C. रुढ़िमूला
D. मरण
E. यौगिक

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं E
2. A एवं D
3. B एवं D
4. C एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

101 18051

संसृष्टि अलङ्कार कहल जाइत अछि :

A. यव - तिलवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
B. तिल - तण्डुलवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
C. नीर - क्षीरवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
D. उभयालङ्कारकेँ
E. शब्दालङ्कारकेँ

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. B एवं D
3. B एवं C
4. C एवं E

संसृष्टि अलङ्कार कहल जाइत अछि :

A. यव - तिलवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
B. तिल - तण्डुलवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
C. नीर - क्षीरवत मिश्रित अलङ्कारकेँ
D. उभयालङ्कारकेँ
E. शब्दालङ्कारकेँ

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं C
2. B एवं D
3. B एवं C
4. C एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

102 18052

'शब्दशक्ति'क प्रसङ्ग कहल गेल अछि :

A. मुख्यार्थबाधे तद्योगे यथान्योऽर्थः प्रतीयते
B. सद्यः परिनिवृत्तये कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे
C. रुढ़े प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता
D. कविर्मनीवी परिभू : स्वयम्भू
E. निर्वेदग्लानिशंकाख्यास्तथा सूयामदश्रमा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं E
3. C एवं D
4. A एवं C

'शब्दशक्ति'क प्रसङ्ग कहल गेल अछि :

A. मुख्यार्थबाधे तद्योगे यथान्योऽर्थः प्रतीयते
B. सद्यः परिनिवृत्तये कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे
C. रुढ़े प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता
D. कविर्मनीवी परिभू : स्वयम्भू
E. निर्वेदग्लानिशंकाख्यास्तथा सूयामदश्रमा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं E
3. C एवं D
4. A एवं C

		A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

103	18053	'मिथिला मिहिर' प्रकाशित भेल छल : A. सीतामढ़ीसँ B. पटनासँ C. समस्तीपुरसँ D. दरभंगासँ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. B एवं C 2. B एवं D 3. A एवं B 4. A एवं C 'मिथिला मिहिर' प्रकाशित भेल छल : A. सीतामढ़ीसँ B. पटनासँ C. समस्तीपुरसँ D. दरभंगासँ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. B एवं C 2. B एवं D 3. A एवं B 4. A एवं C A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

104	18054	

'खोंता आ चिड़ै' क पात्र अछि :

A. सरूप
B. दुखनी
C. मुनचुन
D. सीरीलाल

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. A एवं D
3. B एवं D
4. C एवं D

'खोंता आ चिड़ै' क पात्र अछि :

A. सरूप
B. दुखनी
C. मुनचुन
D. सीरीलाल

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. A एवं D
3. B एवं D
4. C एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

105 18055

सुधांशु 'शेखर' चौधरी लिखने छथि

A. दिशान्तर
B. निवेदिता
C. पहिल साँझ
D. हमरा लग रहब

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. C एवं D
2. A एवं D
3. B एवं C
4. A एवं B

सुधांशु 'शेखर' चौधरी लिखने छथि

A. दिशान्तर
B. निवेदिता
C. पहिल साँझ
D. हमरा लग रहब

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. C एवं D
2. A एवं D
3. B एवं C
4. A एवं B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

106 18056

सुधांशु शेखर' चौधरी छद्म नामसँ लिखलनि:

A. श्रीमती शेफालिका देवी
B. पराशर
C. मेधातिथि
D. भोल

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. B एवं C
2. A एवं B
3. C एवं D
4. A एवं D

सुधांशु शेखर' चौधरी छद्म नामसँ लिखलनि:

A. श्रीमती शेफालिका देवी
B. पराशर
C. मेधातिथि
D. भोल

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. B एवं C
2. A एवं B
3. C एवं D
4. A एवं D

A1 : 1

1

		A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

107	18057	भरोपीय परिवारक वैशिष्ट्य थिक: A. श्लिष्ट योगात्मक B. अश्लिष्ट योगात्मक C. विभक्ति प्रधान D. अश्लिष्ट प्रधान निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं B 2. B एवं C 3. B एवं D 4. A एवं C भरोपीय परिवारक वैशिष्ट्य थिक: A. श्लिष्ट योगात्मक B. अश्लिष्ट योगात्मक C. विभक्ति प्रधान D. अश्लिष्ट प्रधान निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं B 2. B एवं C 3. B एवं D 4. A एवं C A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

108	18058	

मैथिलीक देशज शब्द अछि :

A. कुरता
B. सोहांस
C. फुरब
D. सोहारी

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. A एवं C
4. C एवं D

मैथिलीक देशज शब्द अछि :

A. कुरता
B. सोहांस
C. फुरब
D. सोहारी

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. A एवं C
4. C एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

109 18059

गोविन्द झा लिखने छथि:

A. भाषा विज्ञान
B. मैथिली उद्गम ओ विकास
C. मैथिली भाषा-विज्ञान
D. उच्चतर मैथिली व्याकरण

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. A एवं C
4. C एवं D

गोविन्द झा लिखने छथि:

A. भाषा विज्ञान
B. मैथिली उद्गम ओ विकास
C. मैथिली भाषा-विज्ञान
D. उच्चतर मैथिली व्याकरण

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. A एवं C
4. C एवं D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

110 18060

'मैथिली भाषा - विज्ञान' लिखने छथि:

A. गोविन्द झा
B. नवीन चन्द्र मिश्र
C. सुभद्र झा
D. शिवाकान्त ठाकुर

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं C
3. B एवं D
4. A एवं C

'मैथिली भाषा - विज्ञान' लिखने छथि:

A. गोविन्द झा
B. नवीन चन्द्र मिश्र
C. सुभद्र झा
D. शिवाकान्त ठाकुर

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं D
2. B एवं C
3. B एवं D
4. A एवं C

A1 : 1

1

		A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
111	18061	'व' केर उच्चारण स्थान थिक: A. दंत B. कण्ठ C. मूर्ध्दा D. ओष्ठ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं D 2. A एवं B 3. B एवं C 4. C एवं D 'व' केर उच्चारण स्थान थिक: A. दंत B. कण्ठ C. मूर्ध्दा D. ओष्ठ निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं D 2. A एवं B 3. B एवं C 4. C एवं D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4
Objective Question		
112	18062	

अरविन्द अक्कूक रचना थिक :

A. एक कमल नोरमे
B. आगि धधकि रहल अछि
C. कुहेस
D. कनियाँ पुतरा
E. एना कतेक दिन

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. C एवं E
4. B एवं E

अरविन्द अक्कूक रचना थिक :

A. एक कमल नोरमे
B. आगि धधकि रहल अछि
C. कुहेस
D. कनियाँ पुतरा
E. एना कतेक दिन

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं D
3. C एवं E
4. B एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

113 18063

माधवदेवक रचना थिक :

A. चोरघरा
B. केलि गोपाल
C. अर्जुन भंजन
D. पत्नी प्रसाद
E. गौरी विवाह

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं C
3. A एवं C
4. D एवं E

माधवदेवक रचना थिक :

A. चोरघरा
B. केलि गोपाल
C. अर्जुन भंजन
D. पत्नी प्रसाद
E. गौरी विवाह

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं C
3. A एवं C
4. D एवं E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

114 18064

'नचिकेता' क कृति छनिः

A. एना कतेक दिन
B. नायकक नाम जीवन
C. जुआयल कनकनी
D. एक छल राजा
E. कुहेस

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं C
3. B एवं D
4. C एवं E

'नचिकेता' क कृति छनिः

A. एना कतेक दिन
B. नायकक नाम जीवन
C. जुआयल कनकनी
D. एक छल राजा
E. कुहेस

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A एवं B
2. B एवं C
3. B एवं D
4. C एवं E

		A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

115	18065	कीर्तिनारायण मिश्रक रचना थिक : A. उनटा पाल B. ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप C. विचित्रा D. हेंगरमे टाङल कोट E. हम स्तवन नहि लिखब निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं B 2. B एवं C 3. D एवं E 4. B एवं E कीर्तिनारायण मिश्रक रचना थिक : A. उनटा पाल B. ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप C. विचित्रा D. हेंगरमे टाङल कोट E. हम स्तवन नहि लिखब निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू: 1. A एवं B 2. B एवं C 3. D एवं E 4. B एवं E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4

Objective Question

116	18066	

निम्न रचनाकारक जन्मवर्षक सही मिलान करू :

रचनाकारक नाम		जन्म वर्ष	
A.	जीवन झा	I.	1831
B.	लालदास	II.	1845
C.	हर्षनाथ झा	III.	1848
D.	चन्दा झा	IV.	1856

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - IV, C - III, D - II
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - IV, D - III
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

निम्न रचनाकारक जन्मवर्षक सही मिलान करू :

रचनाकारक नाम		जन्म वर्ष	
A.	जीवन झा	I.	1831
B.	लालदास	II.	1845
C.	हर्षनाथ झा	III.	1848
D.	चन्दा झा	IV.	1856

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - IV, C - III, D - II
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - IV, D - III
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 18067

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	कुवलयानन्द	I.	जगन्नाथ
B.	रसगंगाधर	II.	किशोर नाथ झा
C.	रस परिचय	III.	धीरेन्द्र
D.	काव्य शास्त्रक रूपरेखा	IV.	अप्पय दीक्षित

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - IV, B - I, C - II, D - III
3. A - III, B - II, C - IV, D - I
4. A - II, B - III, C - I, D - IV

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू :

	रचना		रचनाकार
A.	कुवलयानन्द	I.	जगन्नाथ
B.	रसगंगाधर	II.	किशोर नाथ झा
C.	रस परिचय	III.	धीरेन्द्र
D.	काव्य शास्त्रक रूपरेखा	IV.	अप्पय दीक्षित

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - III, B - II, C - I, D - IV
2. A - IV, B - I, C - II, D - III
3. A - III, B - II, C - IV, D - I
4. A - II, B - III, C - I, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 18068

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू :

	रचना		रचनाकार
A.	ध्वन्यालोक	I.	जयधारी सिंह
B.	अलङ्कार - मालिका	II.	गोविन्द झा
C.	काव्यमीमांसा	III.	आनन्दवर्द्धन
D.	मैथिली छन्द: शास्त्र	IV.	सुमन

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - II, B - III, C - IV, D - I
4. A - I, B - III, C - IV, D - II

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारक संग मिलान करू :

	रचना		रचनाकार
A.	ध्वन्यालोक	I.	जयधारी सिंह
B.	अलङ्कार - मालिका	II.	गोविन्द झा
C.	काव्यमीमांसा	III.	आनन्दवर्द्धन
D.	मैथिली छन्द: शास्त्र	IV.	सुमन

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - II, B - III, C - IV, D - I
4. A - I, B - III, C - IV, D - II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 18069

निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारक संग मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	शकुंतला	I.	लक्ष्मण झा
B.	कृष्णचरित	II.	रघुनन्दन दास
C.	उत्सर्ग	III.	चन्द्रभानु सिंह
D.	सुभद्रा - हरण	IV.	तन्त्रनाथ झा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - IV, B - I, C - III, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारक संग मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	शकुंतला	I.	लक्ष्मण झा
B.	कृष्णचरित	II.	रघुनन्दन दास
C.	उत्सर्ग	III.	चन्द्रभानु सिंह
D.	सुभद्रा - हरण	IV.	तन्त्रनाथ झा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - IV, B - I, C - III, D - II
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 18070

निम्नलिखित पत्र - पत्रिकाक संकल्पक संग मिलान करू :

पत्र - पत्रिका		संकल्प	
A.	समय - साल	I.	पायब निज अधिकार कतहु कि -------
B.	मिथिला दर्शन	II.	मिली जुलि रही खटी - कमाई,जे किछु लाबी बाँटी - चुटि खाइ।
C.	घर - बाहर	III.	राजनैतिक, सामाजिक चेतनाक सम्वाहक
D.	कर्णामृत	IV.	मैथिली चेतनाकालीन अभिव्यक्ति

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - I, C - IV, D - III
2. A - IV, B - III, C - II, D - I
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

निम्नलिखित पत्र - पत्रिकाक संकल्पक संग मिलान करू :

पत्र - पत्रिका		संकल्प	
A.	समय - साल	I.	पायब निज अधिकार कतहु कि -------
B.	मिथिला दर्शन	II.	मिली जुलि रही खटी - कमाई,जे किछु लाबी बाँटी - चुटि खाइ।
C.	घर - बाहर	III.	राजनैतिक, सामाजिक चेतनाक सम्वाहक
D.	कर्णामृत	IV.	मैथिली चेतनाकालीन अभिव्यक्ति

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - I, C - IV, D - III
2. A - IV, B - III, C - II, D - I
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 18071 निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारक संग मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	धूर्तसमागम	I.	लोचन
B.	गोरक्षविजय	II.	उमापति
C.	पारिजातहरण	III.	ज्योतिरीश्वर
D.	रागतरंगिणी	IV.	विद्यापति

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - I, C - III, D - IV
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - IV, D - III
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारक संग मिलान करू :

	रचना		रचनाकार
A.	धूर्तसमागम	I.	लोचन
B.	गोरक्षविजय	II.	उमापति
C.	पारिजातहरण	III.	ज्योतिरीश्वर
D.	रागतरंगिणी	IV.	विद्यापति

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - I, C - III, D - IV
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - II, B - I, C - IV, D - III
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 18072

निम्नलिखित निबंधक निबंधकार संग मिलान करू :

	निबंध		निबंधकार
A.	मिथिलामे पान	I.	हरिमोहन झा
B.	साहित्य ककरा कही?	II.	अमरनाथ झा
C.	दही - चूड़ा - चीनी	III.	सुभद्र झा
D.	आदान - प्रदान	IV.	सुरेन्द्र झा 'सुमन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - III, C - IV, D - I
2. A - IV, B - II, C - III, D - I
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

निम्नलिखित निबंधक निबंधकार संग मिलान करू :

	निबंध		निबंधकार
A.	मिथिलामे पान	I.	हरिमोहन झा
B.	साहित्य ककरा कही?	II.	अमरनाथ झा
C.	दही - चूड़ा - चीनी	III.	सुभद्र झा
D.	आदान - प्रदान	IV.	सुरेन्द्र झा 'सुमन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - II, B - III, C - IV, D - I
2. A - IV, B - II, C - III, D - I
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - I, B - II, C - III, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 18073

निम्नमे रचनाक संग रचनाकारक सही मिलान करू:

रचना		रचनाकार	
A.	शरदक सन्देश	I.	शैलेन्द्र मोहन झा
B.	हास्य - रसक मूल कारण: एक विवेचन	II.	भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
C.	इतिहास - देवताक आवाहन	III.	रमानाथ झा
D.	समीक्षा वृत्ति	IV.	कांची नाथ झा 'किरण'

ः

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - IV, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

निम्नमे रचनाक संग रचनाकारक सही मिलान करू:

रचना		रचनाकार	
A.	शरदक सन्देश	I.	शैलेन्द्र मोहन झा
B.	हास्य - रसक मूल कारण: एक विवेचन	II.	भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
C.	इतिहास - देवताक आवाहन	III.	रमानाथ झा
D.	समीक्षा वृत्ति	IV.	कांची नाथ झा 'किरण'

ः

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - IV, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 18074

निम्नांकित रचनाकेँ ओकर रचनाकारसँ मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	उगना	I.	नचिकेता
B.	रामलीला	II.	सुधांशु 'शेखर' चौधरी
C.	पहिल साँझ	III.	महेन्द्र मलंगिया
D.	एक कमल नोरमे	IV.	ईशनाथ झा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - IV, B - I, C - II, D - III
3. A - II, B - III, C - IV, D - I
4. A - I, B - III, C - II, D - IV

निम्नांकित रचनाकेँ ओकर रचनाकारसँ मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	उगना	I.	नचिकेता
B.	रामलीला	II.	सुधांशु 'शेखर' चौधरी
C.	पहिल साँझ	III.	महेन्द्र मलंगिया
D.	एक कमल नोरमे	IV.	ईशनाथ झा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - IV, B - I, C - II, D - III
3. A - II, B - III, C - IV, D - I
4. A - I, B - III, C - II, D - IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 18075

निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारसँ मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	शतदल	I.	चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
B.	इतिश्री	II.	आरसी प्रसाद सिंह
C.	माटिक दीप	III.	उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
D.	गुदगुदी	IV.	काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

निम्नलिखित रचनाकेँ ओकर रचनाकारसँ मिलान करू :

रचना		रचनाकार	
A.	शतदल	I.	चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
B.	इतिश्री	II.	आरसी प्रसाद सिंह
C.	माटिक दीप	III.	उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
D.	गुदगुदी	IV.	काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 18076

'पुरुष - परीक्षा' मे 'परिच्छेद' क सही क्रम अछि :

A. सुबुद्धि, वीर, चारू पुरुषार्थ, सुविद्य
B. सुविद्य, वीर, सुबुद्धि, चारू पुरुषार्थ
C. वीर, सुबुद्धि, सुविद्य, चारू पुरुषार्थ
D. वीर, सुविद्य, सुबुद्धि, चारू पुरुषार्थ
E. सुबुद्धि, सुविद्य, वीर, चारू पुरुषार्थ

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

'पुरुष - परीक्षा' मे 'परिच्छेद' क सही क्रम अछि :

A. सुबुद्धि, वीर, चारू पुरुषार्थ, सुविद्य
B. सुविद्य, वीर, सुबुद्धि, चारू पुरुषार्थ
C. वीर, सुबुद्धि, सुविद्य, चारू पुरुषार्थ
D. वीर, सुविद्य, सुबुद्धि, चारू पुरुषार्थ
E. सुबुद्धि, सुविद्य, वीर, चारू पुरुषार्थ

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

127 18077

रचनाकाल दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. सुभद्राहरण, अम्बचरित, एकावली - परिणय, शकुन्तला (महाकाव्य)
B. एकावली - परिणय, अम्बचरित, सुभद्राहरण, शकुन्तला (महाकाव्य)
C. एकावली - परिणय, सुभद्राहरण, अम्बचरित, शकुन्तला (महाकाव्य)
D. शकुन्तला (महाकाव्य), एकावली - परिणय, अम्बचरित, सुभद्राहरण

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करु :

1. A
2. B
3. C
4. D

रचनाकाल दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. सुभद्राहरण, अम्बचरित, एकावली - परिणय, शकुन्तला (महाकाव्य)
B. एकावली - परिणय, अम्बचरित, सुभद्राहरण, शकुन्तला (महाकाव्य)
C. एकावली - परिणय, सुभद्राहरण, अम्बचरित, शकुन्तला (महाकाव्य)
D. शकुन्तला (महाकाव्य), एकावली - परिणय, अम्बचरित, सुभद्राहरण

निम्नांकित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करु :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

128 18078

रचनाकालक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. अलङ्कार - दर्पण, काव्यशास्त्रक रूपरेखा, ध्वन्यालोक, चन्द्रालोक
B. ध्वन्यालोक, चन्द्रालोक, अलङ्कार - दर्पण, काव्यशास्त्रक रूपरेखा,
C. काव्यशास्त्रक रूपरेखा, ध्वन्यालोक, अलङ्कार - दर्पण, चन्द्रालोक
D. चन्द्रालोक, ध्वन्यालोक, काव्यशास्त्रक रूपरेखा, अलङ्कार - दर्पण

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

रचनाकालक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. अलङ्कार - दर्पण, काव्यशास्त्रक रूपरेखा, ध्वन्यालोक, चन्द्रालोक
B. ध्वन्यालोक, चन्द्रालोक, अलङ्कार - दर्पण, काव्यशास्त्रक रूपरेखा,
C. काव्यशास्त्रक रूपरेखा, ध्वन्यालोक, अलङ्कार - दर्पण, चन्द्रालोक
D. चन्द्रालोक, ध्वन्यालोक, काव्यशास्त्रक रूपरेखा, अलङ्कार - दर्पण

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

129 18079

प्रकाशन वर्षक दृष्टिएँ निम्नलिखित उपन्यासक सही क्रम अछि :

A. आदिकथा, युगपुरुष, पारो, मरीचिका
B. युगपुरुष, पारो, आदिकथा, मरीचिका
C. पारो, आदिकथा, युगपुरुष, मरिचिका
D. मरीचिका, पारो, आदिकथा, युगपुरुष

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

प्रकाशन वर्षक दृष्टिएँ निम्नलिखित उपन्यासक सही क्रम अछि :

A. आदिकथा, युगपुरुष, पारो, मरीचिका
B. युगपुरुष, पारो, आदिकथा, मरीचिका
C. पारो, आदिकथा, युगपुरुष, मरिचिका
D. मरीचिका, पारो, आदिकथा, युगपुरुष

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

130 18080

'साहित्य अकादेमी' पुरस्कृत उपन्यासकारक सही क्रम अछि:

A. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', लिली रे, उपेन्द्रनाथ झा व्यास, मायानन्द मिश्र
B. लिली रे, उपेन्द्रनाथ झा व्यास, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', मायानन्द मिश्र
C. उपेन्द्रनाथ झा व्यास, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', लिली रे, मायानन्द मिश्र
D. मायानन्द मिश्र, लिली रे, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', उपेन्द्रनाथ झा व्यास

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

'साहित्य अकादेमी' पुरस्कृत उपन्यासकारक सही क्रम अछि:

A. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', लिली रे, उपेन्द्रनाथ झा व्यास, मायानन्द मिश्र
B. लिली रे, उपेन्द्रनाथ झा व्यास, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', मायानन्द मिश्र
C. उपेन्द्रनाथ झा व्यास, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', लिली रे, मायानन्द मिश्र
D. मायानन्द मिश्र, लिली रे, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', उपेन्द्रनाथ झा व्यास

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

131 18081

प्रकाशन वर्षक आधार पर निम्नलिखित पत्रिकाक सही क्रम अछि:

A. बटुक, भारती, वैदेही, स्वदेश
B. वैदेही, भारती, स्वदेश, बटुक
C. भारती, बटुक, स्वदेश, वैदेही
D. भारती, स्वदेश, बटुक, वैदेही

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

प्रकाशन वर्षक आधार पर निम्नलिखित पत्रिकाक सही क्रम अछि:

A. बटुक, भारती, वैदेही, स्वदेश
B. वैदेही, भारती, स्वदेश, बटुक
C. भारती, बटुक, स्वदेश, वैदेही
D. भारती, स्वदेश, बटुक, वैदेही

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू:

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

132 18082

निम्न भाषाक विकासक सही अनुक्रम अछि:

A. अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, मैथिली
B. प्राकृत, अपभ्रंश, मैथिली, पालि
C. मैथिली, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत
D. पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, मैथिली

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

निम्न भाषाक विकासक सही अनुक्रम अछि:

A. अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, मैथिली
B. प्राकृत, अपभ्रंश, मैथिली, पालि
C. मैथिली, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत
D. पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, मैथिली

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

133 18083

भाषा विकासक प्रक्रिया सन्दर्भमे सही क्रम अछि :

A. उपभाषा - विभाषा - भाषा
B. बोली - विभाषा - भाषा
C. बोली - भाषा - विभाषा
D. विभाषा - बोली - भाषा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

भाषा विकासक प्रक्रिया सन्दर्भमे सही क्रम अछि :

A. उपभाषा - विभाषा - भाषा
B. बोली - विभाषा - भाषा
C. बोली - भाषा - विभाषा
D. विभाषा - बोली - भाषा

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134 18084

जन्मतिथिक दृष्टिएँ रचनाकारक सही अनुक्रम अछि:

A. भीमनाथ झा, आरसीप्रसाद सिंह, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', जीवकान्त
B. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', आरसीप्रसाद सिंह, जीवकान्त, भीमनाथ झा
C. आरसीप्रसाद सिंह, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', भीमनाथ झा, जीवकान्त
D. जीवकान्त, आरसीप्रसाद सिंह, भीमनाथ झा, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

जन्मतिथिक दृष्टिएँ रचनाकारक सही अनुक्रम अछि:

A. भीमनाथ झा, आरसीप्रसाद सिंह, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', जीवकान्त
B. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', आरसीप्रसाद सिंह, जीवकान्त, भीमनाथ झा
C. आरसीप्रसाद सिंह, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन', भीमनाथ झा, जीवकान्त
D. जीवकान्त, आरसीप्रसाद सिंह, भीमनाथ झा, उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. A
2. B
3. C
4. D

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

135 18085

रचनाकालक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. रामलीला, नाटक लेल, घटकैती, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता
B. कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता; नाटक लेल, रामलीला, घटकैती
C. घटकैती, रामलीला, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता; नाटक लेल
D. घटकैती, रामलीला, नाटक लेल, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. D
2. A
3. C
4. B

रचनाकालक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

A. रामलीला, नाटक लेल, घटकैती, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता
B. कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता; नाटक लेल, रामलीला, घटकैती
C. घटकैती, रामलीला, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता; नाटक लेल
D. घटकैती, रामलीला, नाटक लेल, कमलाकातक राम, लक्ष्मण ओ सीता

निम्नलिखित विकल्पसँ **सही उत्तरक** चयन करू :

1. D
2. A
3. C
4. B

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

136 18086

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : पाँचो पाण्डव द्रौपदीक संग छद्म नाम आ वेष धारण कए राजा विराटक दरबारमे आश्रय लेलनि।

तर्क (R) : गुप्त रूपसँ कीचकक वध करब हिनकालोकनिक अभीष्ट छल।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **A** एवं **R** दुनू सही अछि आ **R**, **A** केर सही व्याख्या अछि।
2. **A** एवं **R** दुनू सही अछि आ **R**, **A** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **A** सही **R** गलत
4. **A** गलत **R** सही

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : पाँचो पाण्डव द्रौपदीक संग छद्म नाम आ वेष धारण कए राजा विराटक दरबारमे आश्रय लेलनि।

तर्क (R) : गुप्त रूपसँ कीचकक वध करब हिनकालोकनिक अभीष्ट छल।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **A** एवं **R** दुनू सही अछि आ **R**, **A** केर सही व्याख्या अछि।
2. **A** एवं **R** दुनू सही अछि आ **R**, **A** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **A** सही **R** गलत
4. **A** गलत **R** सही

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

137 18087

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसरे तर्क: **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : हरिमोहन झा पुरानपंथी सोचक साहित्यकार छलाह; ओ स्त्री - स्वतंत्रताक पक्षधर नहि छलाह।

तर्क (R) : हरिमोहन झा उदार विचारक एवं समयसँ आगू सोचएबता - अग्रसोची लोक छलाह।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नमे **सही विकल्प** अछि :

1. **'A'** गलत आ **'R'** सही अछि।
2. **'A'** सही आ **'R'** गलत अछि।
3. **'A'** आ **'R'** दूनू सही अछि आ **'R', 'A'** केर सही व्याख्या अछि।
4. **'A'** आ **'R'** दूनू सही अछि आ **'R', 'A'** केर सही व्याख्या नहि अछि।

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसरे तर्क: **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : हरिमोहन झा पुरानपंथी सोचक साहित्यकार छलाह; ओ स्त्री - स्वतंत्रताक पक्षधर नहि छलाह।

तर्क (R) : हरिमोहन झा उदार विचारक एवं समयसँ आगू सोचएबता - अग्रसोची लोक छलाह।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नमे **सही विकल्प** अछि :

1. **'A'** गलत आ **'R'** सही अछि।
2. **'A'** सही आ **'R'** गलत अछि।
3. **'A'** आ **'R'** दूनू सही अछि आ **'R', 'A'** केर सही व्याख्या अछि।
4. **'A'** आ **'R'** दूनू सही अछि आ **'R', 'A'** केर सही व्याख्या नहि अछि।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

138 18088

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : मानव जीवनक पूर्णता लेल कर्म, ज्ञान आ उपासना अर्थात् तीनूक मेल आवश्यक अछि

तर्क (R) : किएक तँ मानव जीवनक पूर्णतामे उपासनाक स्थान सबसँ महत्वपूर्ण अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नलिखितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **(A)** गलत अछि **(R)** सही अछि।
2. **(R)** सही अछि **(A)** सही अछि।
3. **(A)** एवं **(R)** दुनू गलत अछि।
4. **(A)** सही अछि **(R)** गलत अछि।

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : मानव जीवनक पूर्णता लेल कर्म, ज्ञान आ उपासना अर्थात् तीनूक मेल आवश्यक अछि

तर्क (R) : किएक तँ मानव जीवनक पूर्णतामे उपासनाक स्थान सबसँ महत्वपूर्ण अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नलिखितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **(A)** गलत अछि **(R)** सही अछि।
2. **(R)** सही अछि **(A)** सही अछि।
3. **(A)** एवं **(R)** दुनू गलत अछि।
4. **(A)** सही अछि **(R)** गलत अछि।

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

139 18089

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : कविता जीवनक आलोचनात्मक व्याख्या थिक।

तर्क (R) : किएक तँ कविता मनक आवेगसँ उत्पन्न होइत अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि आ **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या अछि।
2. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि, किन्तु **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **(A)** सही **(R)** गलत
4. **(A)** गलत **(R)** सही

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : कविता जीवनक आलोचनात्मक व्याख्या थिक।

तर्क (R) : किएक तँ कविता मनक आवेगसँ उत्पन्न होइत अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करू :

1. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि आ **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या अछि।
2. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि, किन्तु **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **(A)** सही **(R)** गलत
4. **(A)** गलत **(R)** सही

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

140 18090

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : अनुभूतिकभाव ओ विचारक समावेशक संगहि कल्पनाक सर्जनात्मकतासँ उत्पन्न सौन्दर्यबोधक सम्बन्ध कविताक आन्तरिक पक्षसँ अछि।

तर्क (R) : कविताक बाह्य पक्ष ओकरा पठनीय बनबैत अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करु :

1. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या अछि।
2. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि, किन्तु **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **(A)** सही **(R)** गलत
4. **(A)** गलत **(R)** सही

प्रश्नपत्रमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना **(Assertion)(A)** आ दोसर तर्क **(Reason) (R)** अछि।

स्थापना (A) : अनुभूतिकभाव ओ विचारक समावेशक संगहि कल्पनाक सर्जनात्मकतासँ उत्पन्न सौन्दर्यबोधक सम्बन्ध कविताक आन्तरिक पक्षसँ अछि।

तर्क (R) : कविताक बाह्य पक्ष ओकरा पठनीय बनबैत अछि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर निम्नांकितसँ **सही विकल्पक** चयन करु :

1. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या अछि।
2. **(A)** एवं **(R)** दुनू सही अछि, किन्तु **(R)**,**(A)** केर सही व्याख्या नहि अछि।
3. **(A)** सही **(R)** गलत
4. **(A)** गलत **(R)** सही

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

141 18091

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

संगीत लेल आवश्यक होइत अछि :

1. अरुचि
2. पररुचि
3. आन्तरिक अभिरुचि
4. बाह्य अभिरुचि

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

संगीत लेल आवश्यक होइत अछि :

1. अरुचि
2. पररुचि
3. आन्तरिक अभिरुचि
4. बाह्य अभिरुचि

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142 18092

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

रेलगाड़ीक उपयोग कए सकैत अछि :

1. कमाइवला
2. पाइवला
3. पढ़ाइवला
4. बिनु पाइवला

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

रेलगाड़ीक उपयोग कए सकैत अछि :

1. कमाइवला
2. पाइवला
3. पढ़ाइवला
4. बिनु पाइवला

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143 18093

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

यूरोपीय सभ्यताक प्रचार भेल अछि :

1. सामान्य
2. असामान्य
3. न्यून
4. अत्यधिक

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

यूरोपीय सभ्यताक प्रचार भेल अछि :

1. सामान्य
2. असामान्य
3. न्यून
4. अत्यधिक

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144 18094

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार भेल :

1. उत्तर भारतमे
2. दक्षिण भारतमे
3. पूर्व भारतमे
4. पश्चिम भारतमे

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार भेल :

1. उत्तर भारतमे
2. दक्षिण भारतमे
3. पूर्व भारतमे
4. पश्चिम भारतमे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145 18095

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

सभ्यताक प्रसार होइछ :

1. कदाचित्
2. हठात् नहि
3. शीघ्र
4. विलम्बेँ

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू :

सभ्यताक प्रसार सार्वजनिक रूपसँ एवं शीघ्र होइछ, किन्तु संस्कृतिक प्रसार स्थिर गतिसँ होइछ। यूरोपीय वैज्ञानिक सभ्यताक प्रचार एशिया देश सभमे अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई सार्वजनिक एहि अर्थमे अछि जे सभ्यताक अवयव सभक उपयोग बिना कोनो आभ्यांतरिक योग्यताक कए सकैत छी रेलगाड़ीक उपयोग सभ पाइवला कए सकैत अछि। रेडियोक प्रचार अत्यन्त शीघ्रतासँ भए रहल अछि। ई बात दोसर थिक जे रेडियो - संस्कृतिक महत्त्व सभ नहि बूझि सकैछ। संस्कृतिक प्रसारमे दोसर कठिनता ई अछि जे एकर प्रसार अनुकूल मनोवृत्ति सभक मध्ये सम्भव अछि। एकर आधार आन्तरिक होइछ। तुलसीक 'रामचरित मानस'क प्रसार समस्त उत्तर भारतमे भेल। एकर एकटा इहो कारण अछि जे तुलसीक रामायणक आदर्श समस्त भारतवासीक मनोनुकूल अछि। संगीतक रसानुभूति लेल ई आवश्यक अछि जे ओकर आन्तरिक अभिरुचि संगीतक प्रति हो। एकर परिणाम ई होइछ जे संगीतक प्रचार अत्यन्त स्थिरतासँ होइछ। भारतमे यूरोपीय सभ्यताक प्रचार अत्यधिक भेल अछि, परन्तु यूरोपीय संस्कृतिक प्रचार अपेक्षाकृत कम भेल अछि।

सभ्यताक प्रसार होइछ :

1. कदाचित्
2. हठात् नहि
3. शीघ्र
4. विलम्बेँ

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

146 18096

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

चन्दा झाक रचनाक प्रकार अछि :

1. दुइ
2. तीन
3. चारि
4. पाँच

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

चन्दा झाक रचनाक प्रकार अछि :

1. दुइ
2. तीन
3. चारि
4. पाँच

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147 18097

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

'मिथिला - भाषा रामायण'क रचना कएलनि :

1. प्रायः चौबन वर्षक अवस्थामे
2. प्रायः पचपन वर्षक अवस्थामे
3. प्रायः छप्पन वर्षक अवस्थामे
4. प्रायः सनताबन वर्षक अवस्थामे

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

'मिथिला - भाषा रामायण'क रचना कएलनि :

1. प्रायः चौबन वर्षक अवस्थामे
2. प्रायः पचपन वर्षक अवस्थामे
3. प्रायः छप्पन वर्षक अवस्थामे
4. प्रायः सनताबन वर्षक अवस्थामे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148 18098

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

विद्यापति मैथिली भाषाक कएलनि :

1. व्यापक विस्तार
2. प्राण - प्रतिष्ठा
3. लोकप्रियताक प्रचार
4. सुदूरगामी प्रसार

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

विद्यापति मैथिली भाषाक कएलनि :

1. व्यापक विस्तार
2. प्राण - प्रतिष्ठा
3. लोकप्रियताक प्रचार
4. सुदूरगामी प्रसार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

149 18099

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

'मिथिला - भाषा रामायण' समाप्त कएल गेल अछि :

1. चारि काण्डमे
2. पाँच काण्डमे
3. छओ काण्डमे
4. सात काण्डमे

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

'मिथिला - भाषा रामायण' समाप्त कएल गेल अछि :

1. चारि काण्डमे
2. पाँच काण्डमे
3. छओ काण्डमे
4. सात काण्डमे

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150 18100

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

..... धार्मिक भावना लेल प्रसिद्ध अछि :

1. नचारी
2. महेसबानी
3. लोककथा
4. लोकगीत

निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु - विकल्पसँ सही (विकल्प) क चयन करू:

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली साहित्यमे हमरालोकनिकेँ चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि, जिनका सोझाँ भाषा - साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो। इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिली भाषाक प्राण - प्रतिष्ठा कएलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि। जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व - साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्त करबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहएबाक अधिकार छैक। चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक। हिनक प्रबन्ध रचना अछि 'मिथिला - भाषा रामायण', जे सात काण्डमे समाप्त कएल गेल अछि। एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन - सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कएलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्रायः छप्पन वर्ष अवस्थामे कएलनि, जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्ण ज्ञान कए चुकल छलाह। एहि योग्यतामे हिनक कवित्व - शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि, से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कएने नहि रहि सकैत अछि। अपन 'मिथिला - भाषा रामायण' मे अथवा दोसर रचना सभमे कवीश्वर अलंकारक प्रयोग कएलनि अछि। छन्दक अनेक रूप उपस्थित कए वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कएलनि, मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जतए हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि; ओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा। यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरण लेल हिनक 'महेसबानी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ। रामचन्द्रक युवराज होएबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि।

..... धार्मिक भावना लेल प्रसिद्ध अछि :

1. नचारी
2. महेसबानी
3. लोककथा
4. लोकगीत

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4